माननीय उपसभापति महोदय, इस रूट पर ट्रेन के आवागमन से प्रभु श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट धाम, शक्ति पीठ माँ मैहर देवी सतना, महाकाल ज्योतिर्लिंग उज्जैन एवं सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता होगी और उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं गुजरात के आम जनमानस को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे एवं रेल राजस्व में बढ़ोतरी होगी। यह ट्रेन बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

माननीय सभापति महोदय, हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके माध्यम से माननीय रेलमंत्री जी उपरोक्त मांग के सम्बन्ध में उचित कार्यवाही करके क्षेत्र की जनता को रेल विकास की सौगात अवश्य देंगे और कानपुर से सोमनाथ तक ट्रेन चलाने की मेरी मांग स्वीकार करेंगे, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Baburam Nishad: Shri Chunnilal Garasiya (Rajasthan), Shri Balyogi Umeshnath (Madhya Pradesh), Shri Kunwar Ratanjeet Pratap Narayan Singh (Uttar Pradesh), Shri Kesridevsinh Jhala (Gujarat), Shrimati Kiran Choudhry (Haryana), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Dr. Parmar Jashvantsinh Salamsinh (Gujarat), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Dr. Bhim Singh (Bihar), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Dorjee Tshering Lepcha (Sikkim), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shri Babubhai Jesangbhai Desai (Gujarat), Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Shrimati Seema Dwivedi (Uttar Pradesh), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri Shambhu Sharan Patel (Gujarat), Shri Devendra Pratap Singh (Chhatisgarh) and Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh).

Need to address the problem of rice mills in Punjab

श्री संदीप कुमार पाठक (पंजाब): सर, पंजाब में जो artificial crisis create किया गया, जिसमें किसानों, आढ़तियों और rice millers को बहुत ज़्यादा नुकसान हुआ, आज मैं आपके माध्यम से उस संबंध में कुछ बातें रखना चाहता हूं। यह इसलिए important है, क्योंकि यह पूरे देश में जहां-जहां खेती होती है, उससे संबंधित है।

माननीय उपसभापति महोदय, अनाज को खरीदने की एक प्रणाली और प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में किसान मंडी में जाकर अपने अनाज को बेचता है। वह अनाज मंडी से rice millers के पास आता है, वहां उसकी milling होकर वह FCI के गोदाम में जाती है। FCI के गोदाम में जाने के बाद फिर उसको कई राज्यों में distribute किया जाता है। अगर इस पूरी प्रक्रिया में एक भी कड़ी को हटा दिया जाए या disrupt कर दिया जाए तो सीधे किसानों, आढ़तियों और rice millers को बहुत नुकसान होता है। यह उनके business को बहुत hit करता है।

महोदय, पंजाब में इस बार धान खरीदी के समय FCI के गोदाम खाली नहीं किए गए। उसके अलावा पिछली फसल का जो 2 लाख मीट्रिक टन धान rice millers के पास stored था, उसको हटाया नहीं गया। जब आपके गोदाम और rice millers में जगह ही खाली नहीं बचेगी, तो procurement hit होगा। इससे यह हुआ कि किसान लाइन लगाकर मंडी पर खड़े रहे, उनको हड़बड़ी और डर के कारण कई जगह अपनी फसल सस्ते रेट पर देनी पड़ी। इसके अलावा यह भी हुआ कि किसान की अगली फसल में देरी हुई। जब किसानों की अगली फसल में देरी होती है, तो सीधे देश की इकोनॉमी पर असर पड़ता है। आढ़तियों को फ़र्क यह पड़ता है कि पहले ढाई परसेंट एमएसपी पर दिया जाता था, आज केंद्र सरकार ने उसको 45 रुपये पर फिक्स कर दिया, इससे बहुत ज़्यादा नुकसान है। आगर आप rice millers को देखें, तो वे जो milling करते हैं, उस पर जो बायप्रोडक्ट बचता है, उसी पर फायदा होता है। उनकी milling रुक गई। इस तरीके से economic agrarian States के ecosystem को डिस्टर्ब करने का प्रयास किया गया। पंजाब सरकार ने पिछले छह महीने में सात चिट्ठियां लिखीं, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया। यह रिक्वेस्ट की गई कि जो गुड्स की 18 ट्रेन्स हैं, उनको बढ़ाकर 36 किया जाए। मेरा यह मानना है कि अगर इस तरीके से हम established process को disrupt करेंगे, तो मैं आपके माध्यम से देश से पूछना चाहता हूं कि क्या FCI के process tenderized नहीं हैं, क्या FCIs के timeline कैलेंडर में frozen नहीं है कि फलाने महीने की फलाने तारीख को फलाने चीज़ होनी है। अगर यह फिक्स्ड है, तो इस बार ऐसा क्या हुआ कि इस पूरी प्रक्रिया को अस्त-व्यस्त किया गया। क्या सरकार किसानों से अभी भी बदला लेना चाहती है, क्या केन्द्र सरकार उस काले कानून वाले मैटर पर अभी भी बदला लेना चाहती है? मेरा यह सबमिशन है। आपने किसानों की बात मानकर बड़ा दिल दिखाया है ...(**व्यवधान**)... आप उसका क्रेडिट लीजिए ...(**समय की घंटी**)... वह बड़प्पन है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः संदीप जी, आपका टाइम खत्म हो गया है। प्लीज़, आपस में बात न करें। संजय जी, आप सीट पर बैठकर न बोलें।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Sandeep Kumar Pathak : Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Ashok Kumar Mittal (Punjab), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh) and Shrimati Mahua Maji (Jharkhand).

Concern over increasing cases of drug abuse in the country

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान): उपसभापति महोदय, आज देश के युवा बड़ी संख्या में नशे की गिरफ्त में हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो चिंता का विषय है। मादक द्रव्यों का सेवन देश के शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। National Drug Dependence Treatment रिपोर्ट के अनुसार देश की आबादी के 10 से 75 वर्ष तक के